>

Title: Need to rationalize the deployment of security forces in the Country.

श्रीमती रंजीत रंजन (सहरसा) : महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगी कि अभी जैसे मुंबई में ब्लास्ट हुआ, नक्सलवाद है, आतंकवाद है, आतंकवाद देश में हर जगह फैला हुआ है। जब भी आन्तरिक सुरक्षा की बात आती है तो सवाल उठता है कि हमारे यहां सुरक्षा बलों की कमी है, एनएसजी के जवानों की कमी है। मैं कहना चाहूंगी कि यूपी की माननीय मुख्यमंत्री जी के पास 750 पुलिस के जवान सुरक्षा के लिए हैं, पंजाब के मुख्यमंत्री के पास एक हजार जवान सुरक्षा के लिए हैं। आज देश में लगभग 17,000 एनएसजी के जवान हैं, जिनमें से 32 से 40 प्रतिशत जवान राजनीतिक लोगों की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। मैं कहना चाहती हूं कि यदि हम लोग आम लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, आम लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेते हैं, तो यह कौन सा न्याय है, यह कहां की मान्यता है कि परिवार का मुखिया अपने लिए सुरक्षा लेकर घूमे और अपने बच्चों को बिना सुरक्षा के कहीं भी छोड़ दे। मैं कहना चाहती हूं कि जितने भी राजनीतिक लोग हैं, जिनको सुरक्षा की वास्तव में जरूरत है, उनको सुरक्षा दी जाए। आज अधिकतर राजनीतिक लोगों ने शौकिया तौर से जेड और वाई श्रेणी की सुरक्षा ली हुई है। वे राजनीतिक लोग या तो मानवीय तौर पर स्वयं सोचें या फिर इसकी जांच या मॉनीटरिंग हो और उनको जो आवश्यकता से ज्यादा सुरक्षा दी गयी है, हटाकर आम लोगों को सुरक्षा दी जाए। मैं इसके लिए उस चैनल को भी धन्यवाद दूंगी जिसने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है।

MR. SPEAKER: Today is Ladies' day from now on.

श्रीमती रंजीत रंजन : अध्यक्ष जी, मैं आपसे उम्मीद करती हूं कि जिन लोगों ने शौकिया तौर पर इतने ज्यादा जवानों को इनवाल्व किया है, उनके बारे में आप जरूर एक्शन लें। जब यह सच्चाई है कि मौत एवं जिंदगी ईश्वर के हाथ होती है और वही देता है, तो हम इतने ज्यादा चिन्तित क्यों हैं कि हमें ज्यादा सुरक्षा चाहिए और आम व्यक्ति को नहीं। इस पर ध्यान दिया जाए।[R9]